(b) whether it is a fact that bills for the month of June, 1962 are still lying unchecked;

(c) if so, what are the reasons for this delay; and

(d) the steps taken or proposed to be taken for the early payment of these bills?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHAH NAWAZ KHAN): (a) No, Sir.

(b) No, Sir.

(c) and (d) Do not arise.

SENIORITY OF CLAIMS TRACERS IN THE OFFICE OF C.C.S., VARANASI

1168. SHRI A. B. VAJPAYEE: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some of the employees working in the Office of the Chief Commercial Superintendent, Varanasi, whose names were placed at the bottom of the seniority list on the 3rd January, 1961, have been made senior to other employees *vide* a new list prepared on the 1st May, 1962;

(b) whether Government have received any representation from the employees who have been adversely affected;

(c) if so, what is the action taken thereon; and

(d) whether Government have fixed any criteria for determining the seniority of the employees mentioned in part (a) above and whether they have been kept informed of the same?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHAH NAWAZ KHAN): (a) to (d) Information is not readily available and will be laid on the Table of the Sabha.

खाद्यान्नों का उत्पादन और आयात

११६९. श्री विमलकुमार मन्नालालजी चोरड़िया : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) १९६१–६२ के वर्ष में कितने टन खाद्यान्न आयात किया गया और १९६२–६३ के वर्ष में कितना खाद्यान्न आयात करने का अनुमान है ; और

(ख) खाद्यान्नों के मामले में स्वावलम्बी होने के लिये क्या विशेष प्रयत्न किये जा रहे हैं ?

†[PRODUCTION AND IMPORT OF FOOD-GRAINS

1169. SHRI V. M. CHORDIA: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the quantity in tons of foodgrains imported during the year 1961-62, and the quantity estimated to be imported during the year 1962-63; and

(b) what special efforts are being made to achieve self-sufficiency in respect of foodgrains?]

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम सुभग सिंह) : (क) १९६१–६२ में लगभग ३२ लाख टन खाद्यान्न आयात किया गया और १९६२–६३ में ४२ लाख टन खाद्यान्नों के आयात किये जाने की सम्भावना है ।

(ख) कृषि उत्पादन को और अधिक बढ़ावा देने के लिये तीसरी योजना के बाकी वर्षों में छोटी सिंचाई और भूमि संरक्षण कार्यक्रमों को और अधिक तेज करने का प्रस्ताव है । रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धि भी प्रतिवर्ष शनैः शनैः बढ़ाई जा रही है । पौध रक्षा कार्यों को भी बढ़ाया जा रहा है । परन्तु भारत जैसे विशाल देश में जहां पर कि कृषिगत क्षेत्र के पांचवें भाग की ही सिंचाई होती

†[ ] English translation.

है, किसी विशेष वर्ष में मौसम और जलवायु भी कृषि उत्पादन पर काफी अधिक प्रभाव डालते हैं।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI RAM SUBHAG SINGH): (a) About 3 2 million tons of foodgrains were imported in 1961-62 and 4·2 million tons of foodgrains are expected to be imported in 1962-63

(b) In order to further step up agricultural production, it is proposed to accelerate minor irrigation and soil conservation programmes during the remaining years of the Third Plan The availability of chemical fertilisers is also being gradually stepped up from year to year Plant protection measures are being intensified. However, in a vast country like India where less than 1/5 of cultivated area is irrigated, weather and climatic factors in any given year influence agricultural production to a very considerable extent]

एयर इण्डिया के बोइंग विमान के इंजन में गीध का खिंच आना

११७०. **श्री नवाबसिंह चौहान : क्या परिवहन तथा संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि १० अगस्त, १९६२ को कलकत्ता के दमदम हवाई अड्डे से उडकर बैंकाक जा रहे एयर इण्डिया के एक बोईंग विमान को, एक गीध के इंजन में खिंच आने के कारण भूमि पर उतरने के लिए बाध्य होना पडा था ;

(ख) यदि हां, तो इस घटना का ब्यौरा क्या है और इसके परिणामस्वरूप विमान तथा यात्रियों को कितनी हानि हुई है, और

(ग) क्या भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिये कोई उपाय सोचा जा रहा है और यदि हां, तो क्या ?

†[VULTURE SUCKED IN BY ENGINE OF AIR INDIA BOEING AIRCRAFT

1170 SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN. Will the Minister of TRANSPORT AND COMMUNICATIONS be pleased to state·

(a) whether it is a fact that a Boeing aircraft of Air India, which took off from the Dum Dum aerodrome of Calcutta for Bangkok on the 10th August 1962, was forced to land as a vulture had been sucked in by the engine;

(b) if so, what are the details of the incident and to what extent the aircraft and the passengers suffered as a result thereof; and

(c) whether any measure is being contemplated to avoid such incidents in future and if so, what is it?]

परिवहन तथा संचार मंत्रालय म उपमंत्री (श्री बी० भगवती) : (क) और (ख) यह सच है कि १० अगस्त, १९६२ को कलकत्ता से बैंकाक के लिए अनुसूचित सेवा पर जा रहे एयर इण्डिया का एक बोईंग वायुयान वी० टी०-डी०जे० आई० उडान के तुरन्त बाद ही एक पक्षी से टकरा गया। पक्षी पोजीशन नम्बर १ के पोर्ट आउटर इंजन में खिंच आया। पक्षी के अन्दर खिंच आने के कारण इंजन का चलना तुरन्त रुक गया और वायुयान चालक ने उसे बन्द कर दिया। अतिरिक्त ईंधन को गिराने के बाद विमान-चालक ने वायुयान को दमदम हवाई अड्डे पर उतार दिया। नम्बर १ इंजन में भीतरी खराबी के सिवाय वायुयान को कोई क्षति नहीं पहुंची। यात्रियों या विमान चालक दल में से किसी को भी कोई चोट नहीं आई।

†[ ] English translation